



ESTD. 1944

Vaish College, Bhiwani

(Affiliated to Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani-Haryana)



Assessment Period: 2018-2023

Supporting Document: 3.2.2

Total number of workshops/seminars/conferences including programs conducted on research methodology, intellectual property rights(IPR) and entrepreneurship year wise during the last five years



संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन करते अतिथिगण। • जागरण



राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित गणमान्य लोग। • जागरण

राष्ट्रीय संगोष्ठी में 450 शोधपत्र प्रस्तुत

जागरण संवाददाता, भिवानी: चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी एवं मैनेजमेंट और कंप्यूटर साइंस विभाग वैश्य महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में वैश्य महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय था वाणिज्य के संदर्भ में निर्णय विज्ञान, वर्तमान रुझान एवं उपयोग, जिसमें 450 शोधपत्र रखे गए। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी के पूर्व कुलपति और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में रसायन शास्त्र के प्रोफेसर रमेश चंद्र और मदवि के डीन प्रोफेसर अजय राजन, प्रो राजेन्द्र व डा. सीबी गुप्ता मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में सीबीएलयू के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल उपस्थित रहे। संगोष्ठी में वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान शिव रत्न गुप्ता, वैश्य कॉलेज प्रबंधकारिणी के अध्यक्ष अजय गुप्ता, उपप्रधान सुरेश गुप्ता, महासचिव पवन बुवानीवाला, कोषाध्यक्ष बृजलाल सराफ, विजयकिशन अग्रवाल भी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित अतिथियों ने संगोष्ठी की स्मारिका का भी विमोचन किया। संगोष्ठी की आयोजिका डा. प्रोमिला सुहाग ने संगोष्ठी की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डा. दीवान सिंह राजन ने अतिथियों का स्वागत किया।

बेसिक साइंस के साथ लाइफ साइंस को भी पढ़ाया जाए

प्रो. रमेश चंद्र ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए निर्णय की क्षमता सबसे आवश्यक है। उन्होंने अपने जीवन के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि देश में शिक्षा के सुधारीकरण की आवश्यकता है। उन्होंने बेसिक साइंस के साथ साथ लाइफ साइंस की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां आपको भटकाएंगी, लेकिन यदि आपमें निर्णय क्षमता है तो आप हर विपरीत परिस्थितियों में भी विजयी होकर निकलेंगे।

संसाधनों की उपयोगिता समझें

कुलपति प्रो राजकुमार मित्तल ने कहा कि हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने की आवश्यकता है। हमें ये मान लेना चाहिए कि हर विचार हर एक के लिए महत्वपूर्ण हो, ये आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि आज हमें ये समझने की आवश्यकता है कि हम अपने संसाधनों का सही उपयोग कैसे करें।

मेहनत के दम पर

आगे बढ़ें : प्रो अजय राजन ने कहा कि अच्छे निर्णय ही किसी भी संस्थान के विकास में सहायक होते हैं। विद्यार्थियों को भी चाहिए कि अपने बेहतर भविष्य के लिए मेहनत एवं लगन के साथ लक्ष्य निर्धारण कर आगे बढ़ें।

गणित को समझना मुश्किल नहीं है : प्रो. सीबी गुप्ता

संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्यवक्ता के रूप में बिट्स पिलानी से प्रो. सीबी गुप्ता व बंसीलाल विश्वविद्यालय के डीन मैनेजमेंट डा. विकास उपस्थित रहे। आमंत्रित वक्ता के रूप में गणित पर व्याख्यान देते हुए प्रो. सीबी गुप्ता ने कहा कि गणित को समझना मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा कि समस्या को समझे बिना आप उसका हल नहीं ढूँढ सकते। सांध्य

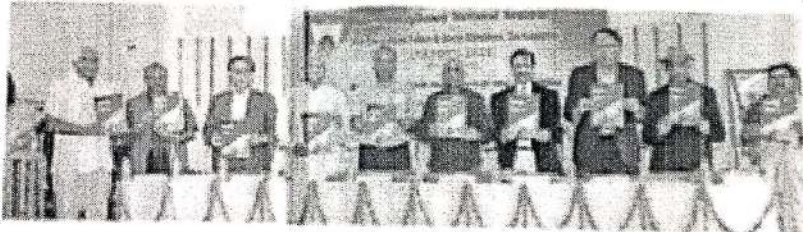
सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जीएनजी ग्रुप के चेयरमैन एसके अग्रवाल ने कहा कि देश की जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है और संसाधन कम होते जा रहे हैं। हमें प्रबंधन साध कर तकनीकी ज्ञान प्राप्त करना होगा, ताकि नए अवसर का सृजन किया जा सके। संगोष्ठी के कन्वीनर संजय गोयल व मंच संचालन प्रवक्ता डा. हरिकेश पंधाल ने किया।

हमें ऐसे युवा तैयार करने होंगे जो विश्व में कर सकें देश का नेतृत्व: प्रो. कुठियाला

नई शिक्षा नीति और सामाजिक आर्थिक विकास विषय पर वैश्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार

संवाद: युवा/भिवानी

राज्य का शिक्षा विभाग और वैश्य महाविद्यालय भिवानी के संयुक्त तत्त्वधान में नई शिक्षा नीति और सामाजिक आर्थिक विकास विषय पर वैश्य महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार किया गया। कार्यक्रम में श्री. अशोक कुमार विश्वविद्यालय के कुलपति श्री. राज कुमार शिखर और मुख्य अतिथि श्री. अशोक कुमार राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष श्री. वी.के. कुट्टियाला मुख्य अतिथि, अमेरिका से पहले डिप्टी चैंसलर श्री. विजयेश प्रकृत के सीईओ सर्वेसाइड, विश्व विरोध, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष एच.के.के. शिवराम गुरु व राष्ट्रीय प्रण मेरठ, प्रो. सी.एन. कर्पूरी, संवर्धन वरुण आईएस अभिकारी डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. सुरेश गंधी, का. जयशंकर आईएस निवा इन्फो जिलेट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महाकालीन समाज में नई शिक्षा नीति और सामाजिक आर्थिक विकास विषय पर वैश्य महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया।



श्री. अशोक कुमार विश्वविद्यालय के कुलपति श्री. राज कुमार शिखर और मुख्य अतिथि श्री. वी.के. कुट्टियाला मुख्य अतिथि, अमेरिका से पहले डिप्टी चैंसलर श्री. विजयेश प्रकृत के सीईओ सर्वेसाइड, विश्व विरोध, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष एच.के.के. शिवराम गुरु व राष्ट्रीय प्रण मेरठ, प्रो. सी.एन. कर्पूरी, संवर्धन वरुण आईएस अभिकारी डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. सुरेश गंधी, का. जयशंकर आईएस निवा इन्फो जिलेट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. जितेंद्र भास्कर, राष्ट्रीय अध्यक्ष, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के ट्रस्टी विजय किरान अशोक शिखर अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सेमिनार का शुभारंभ मा. रामकृष्ण की प्रतिमा के समक्ष श्री. प्रकाश के अध्यक्षता में किया गया। वैश्य महाविद्यालय प्रबंध निदेशक के महासचिव एवं सेमिनार के मुख्य संयोजक सुरेश गुरु के सन्निध्य में हुआ। सेमिनार के मुख्य अतिथि श्री. अशोक कुमार राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष श्री. वी.के. कुट्टियाला ने संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति महाकालीन एवं समाजता युग भारत को नई रखेगी। इसके लिए सभी को अपने अपने

कार्य कराने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे युवाओं को तैयार करना होगा जो विश्व में देश का नेतृत्व कर सकें। श्री. अशोक कुमार विश्वविद्यालय के कुलपति श्री. राज कुमार शिखर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश के नए बहिन समुदाय को एक नया संदेश देगी। वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के महासचिव प्रकृत कुमार विश्वविद्यालय ने कहा कि नई शिक्षा नीति एक बेहतरीन शिक्षा नीति होगी, जैसा कि देश में शिक्षा का स्तर सुधारने में आसानी का काम करेगी। वैश्य महाविद्यालय प्रबंध निदेशक के महासचिव श्री. सुरेश गुरु ने इस राष्ट्रीय सेमिनार को प्रतिभागी के

लिए अपने महाकालीन समाज में नई शिक्षा नीति को लागू करने में योगदान देने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति को लागू करने में देश की शिक्षा नीति को लागू करने में योगदान देने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति को लागू करने में देश की शिक्षा नीति को लागू करने में योगदान देने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति को लागू करने में देश की शिक्षा नीति को लागू करने में योगदान देने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया।

VAISH COLLEGE, BHIWANI
PROGRAMME REPORT PROFORMA

Title of the Programme/event/activity:	National Seminar on the topic "New Education Policy & Socio Economic Development"
Date of the Programme/event/activity:	09-10-2021
Venue of Programme/event/activity:	Vaish College, Bhiwani
Name of the Programme coordinator/convenor	Dr. Sanjay Goyal
Designation:	Associate Prof.
Department:	Mathematics
Number of Students Benefited	200 (Participants)

REPORT

Under the joint aegis of Higher Education Department Haryana and Vaish College Bhiwani, A one-day National Seminar was organised, entitled "New Education Policy and Socio-Economic Development on Oct 09, 2021. In this program, VC of C.B.L. University Prof. Raj Kumar Mittal, as the Chief Guest, Haryana State Council of Higher Education, Prof. B.K. Kuthiala Chief Speaker, CEO of DHEC Business School from America, Mr. Satish Jha, Subject expert, Sh. Shiv Ratan Gupta (President Vaish College, Bhiwani and Rotarian Mr. Pran Mehta, Prof. C.L. Chaturvedi, Retired senior IAS officer Dr. Dalip Singh, Dr. Mukesh Gumberi newly selected I.A.S. Nisha Yewal who was present as a special guest. Dr. Suresh Gupta, General Secretary of Vaish College Bhiwani was the Chief Patron of the Seminar. The main speaker Prof. B.K. Kuthiala said

(Signature of Programme coordinator)

PRINCIPAL
Vaish College
BHIWANI

वैश्य महाविद्यालय भिवानी में हुआ इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

भिवानी(एचकेए ब्यूरो)। बौद्धिक संपदा अधिकार आपके शोध, अविष्कार या रचनाओं को हमेशा के लिए आपकी बनाता है। इस अधिकार की जानकारी हमारी बौद्धिक क्षमताओं से उपजी किसी भी कृति को चोरी होने से और उसके गलत इस्तेमाल से भी बचाती है। हर अविष्कारक को हर रचनाकार, लेखक, वैज्ञानिक और हर शिक्षाविद को इस अधिकार की जानकारी होनी चाहिए ताकि वो अपनी कृतियों को पेटेंट, कॉपीराइट या ट्रेडमार्क करवा कर उस पर सदा के लिए अपना अधिकार जता सकें। यह वक्तव्य वैश्य महाविद्यालय में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट यानी बौद्धिक संपदा अधिकार पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बोलते हुए प्रो. डॉ. हरीश कुमार ने दिया। प्रो. हरीश कुमार केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में रसायन विज्ञान विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने भविष्य में भी इस तरह की कार्यशाला आयोजित करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आज के इस



सोशल मीडिया के युग में बौद्धिक संपदा अधिकार को जानना अति आवश्यक है क्योंकि इस अधिकार के संरक्षण में ही हम अपनी रचनाओं को सुरक्षित रख पाएंगे। वैश्य महाविद्यालय भिवानी के मनोविज्ञान विभाग द्वारा यह एक दिवसीय कार्यशाला महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आयोजित करवाई गई थी। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो. हरीश कुमार का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, कार्यशाला के सयोजक डॉ. सतीश कुमार और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के इंचार्ज डॉ. कृष्ण

कुमार व डॉ. मनीष कुमार ने किया। कार्यशाला का मंच संचालन आयोजन सचिव डॉ. हरिकेश पंधवाल ने किया। मुख्य वक्ता प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि आई पी आर यानी इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट यानी बौद्धिक सम्पदा अधिकार मानव मस्तिष्क के विचारों से उत्पन्न एक उपज है। दुनिया के देश, कई सदियों से अपने-अपने अलग कानून बना कर इस मानव मस्तिष्क से उत्पन्न उपज को सुरक्षित करते चले आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि बौद्धिक संपदा को हम पेटेंट, डिजाइन, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क द्वारा सुरक्षित कर सकते हैं।

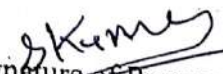
VAISH COLLEGE, BHIWANI

PROGRAMME REPORT PROFORMA ✓

Title of the Programme/event/activity:	One day workshop
Date of the Programme/event/activity:	26-05-2022
Venue of Programme/event/activity:	Vaish College Bhiwani
Name of the Programme coordinator/convenor	Dr. Satish Kumar
Designation:	Associate Professor
Department:	Psychology
Number of Students Benefited	80

REPORT

दिनांक 26-5-2022 को वैश्व महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग व महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संपुस्तक तत्वधान में "औद्योगिक सम्पदा का विकास" विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अतीत भुरफ वस्त्रा के सीध विश्वविद्यालय हरिद्वार से प्रो० डा० हरिश्चंद्र कुमार उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में 60 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त शिक्षण स्टाफ व विधार्थी उपस्थित रहे।


(Signature of Programme coordinator)

VAISH COLLEGE, BHIWANI
PROGRAMME REPORT PROFORMA

Title of the Programme/event/activity:	साइबर क्राइम की रोकथाम का सशक्त हथियार:जन जागरूकता
Date of the Programme/event/activity:	5 मार्च 2023
Venue of Programme/event/activity:	सेमिनार हॉल
Name of the Programme coordinator/convenor	डॉ कामना कौशिक
Designation:	कार्यक्रम अधिकारी
Department:	राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक
Number of Students Benefited	300

REPORT

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में निदेशालय उच्चतर शिक्षा हरियाणा, पंचकूला द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी साइबर क्राइम की रोकथाम का सशक्त हथियार:जन जागरूकता में राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. राजश्री सिंह आई जी ने अभिभावकों का आह्वान किया कि वह सुझ बूझ और विवेक से कार्य करते हुए एक अच्छे मां-बाप का धर्म निभाकर अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे ताकि वह एक अच्छा नागरिक बन सके। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.दिनेश शर्मा उच्चतर शिक्षा विभाग के उप निदेशक एवं राज्य एन. एस. एस. अधिकारी हरियाणा मौजूद रहे।संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में भारत सरकार के गृह विभाग के साइबर अपराध संकाय के सदस्य गुरुचरण सिंह ने शिरकत की,संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में अधिकारी अशोक सांगवान, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से जुड़े अधिकारी अनूप सिंह एवं हरियाणा पुलिस के साइबर विशेषज्ञ संदीप कुमार शामिल हुए। संगोष्ठी के साय:कालीन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के रजिस्ट्रार डॉ. सुनील गुप्ता एवं वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के महासचिव डॉ.पवन बुवानी वाला,विशिष्ट अतिथि के रूप में वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के महासचिव सुरेश गुप्ता व गुडगांव के क्राइम इंस्पेक्टर मनोज वर्मा ने शिरकत की। राष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक-इन-चीफ वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता व महासचिव सुरेश गुप्ता रहे।संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने संरक्षक,डॉ. कामना कौशिक ने संयोजक व डॉ. कृष्ण कुमार ने आयोजन सचिव की भूमिका निभाई।300 प्रतिभागियों ने की सहभागिता। 250 शोधार्थियों ने साइबर सुरक्षा पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

Kamla

(Signature of Programme coordinator)

साक्षरता स्वच्छता और स्वास्थ्य की सीढ़ी है, स्वावलंबन: डॉ. अनाय

ज समाज नेटवर्क

गानी। साक्षरता स्वच्छता और
 ष्य की सीढ़ी स्वावलंबन है जो
 स्वच्छता, स्वास्थ्य और साक्षरता
 त्रेवेणी से आता है। इन चारों लक्ष्यों
 संकल्प की पूर्ति से ही मृष्टि स्वर्ग
 ी है यह बात स्थानीय वैश्य
 वेद्यालय भिवानी में उच्चतर शिक्षा
 शालय हरियाणा द्वारा प्रायोजित व
 वेद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना
 ई-1 के द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर
 छता, स्वस्थता, साक्षरता एवं
 मनिर्भरता का मूल्यांकन विषय पर
 ोजित बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय
 ष्टी के मुख्य अतिथि दीनबंधु छोटू



राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी
 विश्वविद्यालय सोनीपत के कुलपति प्रो.
 डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत ने अपने
 संबोधन में कहे। उन्होंने कहा कि
 अहम सबका एक ही सपना है कि

हमारा देश स्वच्छ-स्वस्थ-साक्षर-
 आत्मनिर्भर बने। वैश्य महाविद्यालय
 ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट शिवरत्न गुप्ता
 ने अपने संबोधन में कहा कि
 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता,

स्वस्थता, साक्षरता एवं आत्मनि
 का मूल्यांकन विषय पर अंतर
 संगोष्ठी करना वैश्य महाविद्याल
 लिए बहुत गौरव का विषय है।
 के विधायक ट्रस्टी घनश्याम सर
 कहा कि मनुष्य ईश्वर की सबसे
 रचना है। प्रो. रॉबर्ट मार्टिस,
 बनवारी लाल जिंदल सुई वाला व
 तोशाम के प्राचार्य डॉ. राकेश भ
 एवं राजीव गांधी स्टडी स
 हरियाणा के अध्यक्ष शिक्षाविद्
 शर्मा ने संगोष्ठी को संबोधित किये
 अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक
 चीफ वैश्य महाविद्यालय प्र
 समिति के अध्यक्ष अजय गु
 महासचिव सुरेश गुप्ता रहे।

VAISH COLLEGE, BHIWANI
PROGRAMME REPORT PROFORMA

Title of the Programme/event/activity:	अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता,स्वस्थता,साक्षरता एवं आत्मनिर्भरता का मूल्यांकन
Date of the Programme/event/activity:	28 मार्च 2023
Venue of Programme/event/activity:	सेमिनार हॉल
Name of the Programme coordinator/convenor	डॉ कामना कौशिक
Designation:	कार्यक्रम अधिकारी
Department:	राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक
Number of Students Benefited	370

REPORT

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय है अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता,स्वस्थता,साक्षरता एवं आत्मनिर्भरता का मूल्यांकन। संगोष्ठी के प्रातः कालीन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सोनीपत के कुलपति प्रो. डॉ. राजेंद्र कुमार अनायत, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरत्न गुप्ता एवं भिवानी के विधायक ट्रस्टी घनश्याम सर्राफ ने शिरकत की विशिष्ट अतिथि के रूप में वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के महासचिव डॉ. पवन बुवानी वाला एवं वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के महासचिव सुरेश गुप्ता उपस्थित रहे। संगोष्ठी में मुख्यवक्ता के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्टो पुर्तगाल से डॉ. चंचल, ऊष्क यूनिवर्सिटी तुर्की से डॉ. संजय तनेजा, ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी हिसार से प्रो. महेंद्र पुनिया एवं एम.एम. कॉलेज फतेहाबाद के प्राचार्य डॉ. गुरुचरण दास ने शिरकत करते हुए संगोष्ठी को संबोधित किया। संगोष्ठी के सायः कालीन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मीरपुर विश्वविद्यालय रेवाड़ी के कुलपति प्रो. जेपी यादव ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरुग्राम के आयकर आयुक्त आई.आर.एस अधिकारी विकास सिंह सांगवान एवं ट्रस्टी विजयकिशन अग्रवाल उपस्थित रहे। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में यूएसए से प्रो. रॉबर्ट मार्टिस, सेठ बनवारी लाल जिंदल सुई वाला कॉलेज तोशाम के प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज एवं राजीव गांधी स्टडी सर्किल हरियाणा के अध्यक्ष शिक्षाविद् सुरेंद्र शर्मा ने संगोष्ठी को संबोधित किया। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के संरक्षक-इन-चीफ वैश्य महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता व महासचिव सुरेश गुप्ता रहे। संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने संरक्षक, डॉ. कामना कौशिक ने संयोजक व डॉ. नरेंद्र कुमार ने आयोजन सचिव की भूमिका निभाई। संगोष्ठी में 230 शोधार्थियों व 140 विद्यार्थियों ने स्वच्छ-स्वस्थ-साक्षर-आत्मनिर्भर विषय पर अपने किए शोध पत्र प्रस्तुत।

Kamne

(Signature of Programme coordinator)



INTERDISCIPLINARY NATIONAL CONFERENCE

on



**"RECENT TRENDS IN DECISION SCIENCES AND THEIR
IMPLICATIONS FOR BUSINESS"
(RTDSIB-2019)**

1st March, 2019



Jointly Organised by :

DEPARTMENT OF MANAGEMENT, CBLU, BHIWANI

&

DEPARTMENT OF MANAGEMENT & COMPUTER SCIENCES

Vaish College, Bhiwani

www.vaishcollegebhiwani.ac.in

Patron-in-Chief :

Prof. R.K. Mittal

Vice Chancellor CBLU, Bhiwani

Patron :

Dr. D.S. Rajan

Principal

Convener :

Sanjay Goyal

HOD, Mathematics

9416058849

Organizing Secretary :

Dr. Promila Suhag

Director (SFS.)

9992022370

M.Com., M.Sc. (Maths), M.Sc. (Comp. Sci.), PGDCA, M.A. (Hindi). It has excellent infrastructural and instructional facilities. Experienced and well-qualified faculty imparts quality and meaningful education to the students by blending the modern technological tools of the 'Western world' with the rich traditional values and cultural ethos. Academic staff of the college has significant knowledge about paradigm-shift in the educational system. Hence, they strive to develop in students the knowledge, confidence and requisite skills for various specific jobs. Over the years the college has flourished with glorious traditions achieving excellence in education.

College boasts of wonderful overall environment that fosters inter-cultural understanding and promotes respect and tolerance among students. The college has remarkable achievements in academics, research, sports, cultural and extra curricular activities. In the field of sports the college has shown domination at the national and international, university and inter-university levels. Future plans for the institution include the development of additional excellent infrastructural facilities, with new and renovated library laboratories, buildings, inclusion of new job-oriented courses, tapping the outstanding teaching expertise and techniques parallel to the foreign institutions. The college is well on its way to become one of the frontline colleges of India.

ABOUT THE CONFERENCE

The primary objective of this conference is to sensitize and stimulate the young minds to bring out the best among various frontiers of role of different managerial sciences. The conference will focus on various areas as given below :-

- 1. Role of Management in various fields**
- 2. Role of Computer Sciences in various fields**
- 3. Role of Mathematics in various fields**
- 4. Decision Sciences and their role in Physical Sciences**
- 5. Role of Psychology in current scenario**

CALL FOR PAPERS

Participants desirous to make presentations on any of the themes must submit their abstracts of 250-300 words through e-mail attachment to e-mail id: conferencevcb2019@gmail.com or vcbprincipal@gmail.com on or before 15th February 2018. You may also submit abstracts for poster presentations. The title is to be completely capitalized (14 pts centered in bold), name of the author presenting the paper be underlined with address, E-mail ID. Text should be in MS word, Times New Roman 12 pts. with 1.5 line spacing on an A4 size page. Selected papers will be published with ISBN number.

REGISTRATION FEE

The registration fee is Rs. 400/- for academicians and Rs. 200/- for the students and Research Scholars. The fee can be paid either in cash or by demand draft in favour of Principal, Vaish College, Bhiwani payable at Bhiwani.

ADVISORY COMMITTEE

Prof. Jitender Bhardwaj

Registrar, CBLU, Bhiwani

Prof. Ajay Rajan

Dean Academic Affair, MDU, Rohtak

Prof. Kuldeep Bansal

GJU, Hisar

Dr. Surender Kaushik

Dean of Colleges, CBLU

Prof. Sultan Singh

Dean, Faculty of Commerce & Mgt. CDLU, Sirsa

Dr. S.S. Kundu

Principal University College, CDLU, Sirsa

Dr. Supriya Dhillon

Director-KAIM, Ch. Dadri

Prof. Gulshan Taneja

Registrar, MDU, Rohtak

Prof. Vikas Kumar

Dean, Faculty of Commerce & Management

Dr. Dinesh Madan

Dean Physical Sciences, CBLU

Dr. Satbir Singh

Secretary Student Welfare, CBLU

Dr. Mahender Singh

JJTU, Jhunjhunu (Raj.)

Dr. Maya Yadav

Principal - AMM, Bhiwani

Dr. J.S. Mor

Govt. College, Narnaul

PROGRAMME

Registration of delegates 9.00 a.m.

INAUGURAL SESSION

Welcome to the Chief Guest, Resource Persons and Delegates 9.30 a.m.

Relevance and objective of the seminar by Organising Secretary 9.45 a.m.

Key Note address 10.00 a.m.

Tea Break 10.40 a.m. to 11.00 a.m.

TECHNICAL SESSION

Technical Session-1 11:00 am to 1:30 p.m.

Lunch Break 1:30 p.m. to 2:30 p.m.

CONCLUDING SESSION

Technical Session-2 2:30 p.m. to 4:15 p.m.

Valedictory Function 4.15 p.m.

Vote of Thanks 4.45 p.m.

Tea 5.00 p.m.

INVITATION

On behalf of organizing committee of the conference you are cordially invited to participate in INTERDISCIPLINARY NATIONAL CONFERENCE on 'RECENT TRENDS IN DECISION SCIENCES AND THEIR IMPLICATION FOR BUSINESS' to be held on 1st MARCH 2019 at our college.

ABOUT THE CITY

BHIWANI is a historic city, founded in the year 1433 in the name of a lady "Bhani". The city is also known as "the MINI VARANASI" (CHHOTI KASHI) of Haryana. The city is situated in the southern part of the Haryana state and is known as one of the oldest cities in the state. It is in the South about 125 kms. from Delhi; in the West 280 kms. from Jaipur and in the North 288 kms. from Chandigarh. It is well connected by rail and road. Bhiwani, is a district headquarter. As per 2010 census, the district is the home to over 1.6 million people with 864616 males and 764493 females and it covers an area of 5099 sq. kms. The weather in general is very pleasant. During the months of February-March the temperature is around 25-30 Celsius.

BHIWANI has always valued education and has a long history of visiting scholars from various walks of life. The city and its adjoining area has more than 50 academic institutions imparting education in social sciences, physical sciences, life sciences, applied sciences and technical sciences up to PG level. It has one Technological Institute of Textile and Sciences of international repute that has attracted students in huge number from abroad and all-over India. At present, the city is growing as a hub of modern education, industries, trades and health services. It has produced many prominent personalities in the field of politics, administration, defence, police, banking, insurance, medical services and sports. Like other cities of the world, Bhiwani has also become a 'netcity' progressing towards a multicultural cosmopolitan city, where the best of traditional and modern worlds can be seen. The city is a safe, pollution-free and peaceful place. It can boast of its Kirori Mal temple, Khakhi Baba temple, Baba Hari-Har temple, Star temple and Devsar Dham in its vicinity.

ABOUT THE UNIVERSITY

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani is a state university established by the Government of Haryana under Act No. 25 of 2014. The University is recognized by the University Grants Commission (UGC) under section 2(F). The University is a boon for the academically deprived region of Haryana, and holds great promise for the intellectual and academic development for the people of Bhiwani, a city located to the west of Delhi and south of Chandigarh at a distance of 125km and 285 km respectively. The University has been established as a teaching-cum-affiliating University of facilitate higher education in multi-disciplines with special emphasis on sports and physical education and to achieve excellence in these and connected fields.

ABOUT THE COLLEGE

Vaish College Bhiwani is one of the oldest and premier institutions of Haryana and it is situated in the heart of the city. The college was founded in the year 1944 by the munificent and visionary philanthropists, of that time for the educational upliftment of the society. This college is a multifaceted co-educational institution, affiliated to Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani. It offers diverse courses in arts, science and commerce at UG level, alongwith certain UG and PG professional courses such as BBA, BCA, B.Com., B.Sc., B.A.,



INTERDISCIPLINARY NATIONAL SEMINAR



on

"NEW EDUCATION POLICY & SOCIO ECONOMIC DEVELOPMENT"

09th October, 2021



Sponsored by :

DIRECTORATE HIGHER EDUCATION HARYANA, PANCHKULA

Organised by :

VAISH COLLEGE, BHIWANI

www.vaishcollegebhiwani.ac.in

Patron-in-Chief :

Sh. Ajay Gupta, President

Sh. Suresh Gupta, General Secretary

Patron :

Dr. Sudha Rani

Principal

Convener :

Dr. Sanjay Goyal

HOD Mathematics

9416058849

Organizing Secretary :

Dr. Seema Bansal

Deptt. of Mathematics

9896222241

REGISTRATION FEE

The registration fee is Rs. 300/- for academicians and Rs. 200/- for the students and Research Scholars.

Registration link : <https://forms.gle/ujWzUialLtocHrJr6>

Bank Details :

Account Number : **032501000016079** | Branch : **IOB, Ghanta Ghar, Bhiwani**
Name : **Principal, Vaish College, Bhiwani** | IFSC : **IOBA0000325**

PROGRAMME

Registration of delegates 9.00 a.m.

INAUGURAL SESSION

Welcome to the Chief Guest, Resource Persons and Delegates 9.30 a.m.
Relevance and objective of the seminar by Organising Secretary 9.45 a.m.
Key Note address 10.00 a.m.
Tea Break 10.40 a.m. to 11.00 a.m.

TECHNICAL SESSION

Presentation by Resource Persons 11.00 a.m.
Presentation of papers by Delegates 12.30 noon
Lunch Break 1.30 p.m. to 2.30 p.m.

CONCLUDING SESSION

Presentation by Resource Persons 2.30 p.m.
Presentation of papers by Delegates 3.15 p.m.
Valedictory Function 4.15 p.m.
Vote of Thanks 4.45 p.m.
Tea 5.00 p.m.

traditions achieving excellence in education.

College boasts of wonderful overall environment that fosters inter-cultural understanding and promotes respect and tolerance among students. The college has remarkable achievements in academics, research, sports, cultural and extra curricular activities. In the field of sports the college has shown domination at the national and international, university and inter-university levels. Future plans for the institution include the development of additional excellent infrastructural facilities, with new and renovated library laboratories, buildings, inclusion of new job-oriented courses, tapping the outstanding teaching expertise and techniques parallel to the foreign institutions. The college is well on its way to become one of the frontline colleges of India.

ABOUT THE SEMINAR

The primary objective of this seminar is to sensitize and stimulate the young minds to bring out the best ideas for New Education Policy. The deliberations of the seminar would contain the cocktail of all streams.

The main theme of this seminar is to develop a framework for creating the roadmap for NEP 2020. The world is becoming rich in knowledge with unbelievable advancements in science and technology, while there is also a great demand for skilled workforce for better socio-economic development. Keeping in view the fact that education always leads to economic and social progress, the goals of this seminar are :

- To focus the features of the new National Education Policy 2020 and compare this with the existing policy of India.
- To discuss the merits of NEP 2020.
- To motivate the innovations in NEP 2020.
- To predict the implication of NEP 2020 on the Indian higher education system.
- To find the conclusion and suggestion for further improvement for the effective implementation of NEP 2020.

CALL FOR PAPERS

Participants desirous to make presentations on any of the themes must submit their abstracts of 250-300 words through e-mail attachment to e-mail id: vcprincipal@gmail.com or goyalsanjay216@gmail.com on or before 30th September 2021. You may also submit abstracts for poster presentations. The title is to be completely capitalized(14 pts centered in bold), name of the author presenting the paper be underlined with address, E-mail ID. Text should be in MS word, Times New Roman 12 pts. with 1.5 line spacing on an A4 size page.

INVITATION

On behalf of organizing committee of the seminar you are cordially invited to participate in INTERDISCIPLINARY NATIONAL SEMINAR on 'NEW EDUCATION POLICY AND SOCIO ECONOMIC DEVELOPMENT' to be held on 09th OCTOBER 2021 at our college. As per COVID-19 guidelines only first 125 participants are allowed to participate in this seminar.

ABOUT THE CITY

BHIWANI is a historic city, founded in the year 1433 in the name of a lady "Bhani". The city is also known as "the MINI VARANASI" (CHHOTI KASHI) of Haryana. The city is situated in the southern part of the Haryana state and is known as one of the oldest cities in the state. It is in the South about 125 kms. from Delhi; in the West 280 kms. from Jaipur and in the North 288 kms. from Chandigarh. It is well connected by rail and road. Bhiwani, is a district headquarter. As per 2010 census, the district is the home to over 1.6 million people with 864616 males and 764493 females and it covers an area of 5099 sq. kms. The weather in general is very pleasant.

BHIWANI has always valued education and has a long history of visiting scholars from various walks of life. The city and its adjoining area has more than 50 academic institutions imparting education in social sciences, physical sciences, life sciences, applied sciences and technical sciences up to PG level. It has one Technological Institute of Textile and Sciences of international repute that has attracted students in huge number from abroad and all-over India. At present, the city is growing as a hub of modern education, industries, trades and health services. It has produced many prominent personalities in the field of politics, administration, defence, police, banking, insurance, medical services and sports. Like other cities of the world, Bhiwani has also become a 'netcity' progressing towards a multicultural cosmopolitan city, where the best of traditional and modern worlds can be seen. The city is a safe, pollution-free and peaceful place. It can boast of its Kirori Mal temple, Khakhi Baba temple, Baba Hari-Har temple, Star temple and Devsar Dham in its vicinity.

ABOUT THE COLLEGE

Vaish College Bhiwani is one of the oldest and premier institutions of Haryana and it is situated in the heart of the city. The college was founded in the year 1944 by the munificent and visionary philanthropists, of that time for the educational upliftment of the society. This college is a multifaceted co-educational institution, affiliated to Ch. Bansi Lal University, Bhiwani. It offers diverse courses in arts, science and commerce at UG level, alongwith certain UG and PG professional courses such as BBA, BCA, M.A. (Hindi), M.Sc. (Maths), M.Sc. (Comp. Sci.), M.Com. etc. It has excellent infrastructural and instructional facilities. Experienced and well-qualified faculty imparts quality and meaningful education to the students by blending the modern technological tools of the 'Western world' with the rich traditional values and cultural ethos. Academic staff of the college has significant knowledge about paradigm-shift in the educational system. Hence, they strive to develop in students the knowledge, confidence and requisite skills for various specific jobs. Over the years the college has flourished with glorious



MULTIDISCIPLINARY NATIONAL SEMINAR



on

साइबर क्राइम की रोकथाम का सशक्त हथियार : जन-जागरूकता
or
Powerful Weapon to Prevent Cyber Crime : Public Awareness

05th March, 2023

Sponsored by :

DIRECTORATE HIGHER EDUCATION HARYANA, PANCHKULA

Organised by :

Internal Quality Assurance Cell

&

**National Service Scheme Unit-I
Vaish College, Bhiwani**

www.vaishcollegebhiwani.ac.in

Patron-in-Chief :

Sh. Ajay Gupta, President

Sh. Suresh Gupta, General Secretary

Patron :

Dr. Sanjay Goyal

Principal

Convener :

Dr. Kamna Kaushik

Associate Prof. in Hindi

9896796006

Organizing Secretary :

Dr. Krishan Kumar

Associate Prof. of Chemistry

9416180625

CALL FOR PAPER

Title Page:	Title, Author(s), Institution Details, Contact Details, Email Address
Format:	A4 Size, Ms Word,
Font:	Times New Roman or Kruti Dev 010
Font Size:	12, Line Spacing: 1.5
Word and Time Limit for Abstract:	200 to 250 words.
Word and Time Limit for full paper:	2000 to 3000.

Selected full research paper will be published in Edited Book with ISBN No.

IMPORTANT DATES

Last date for Registration : 5 March 2023

Submission of Abstract : 2 March 2023

Full Paper Submission : 5 March 2023

Send Abstract & Full Paper at E-mail ID : cyberseminar23@gmail.com

Early submission are greatly appreciated.

PROGRAMME

Registration of delegates 9.00 a.m.

INAUGURAL SESSION

Welcome to the Chief Guest, Resource Persons and Delegates 9.30 a.m.

Relevance and objective of the seminar by Organising Secretary 9.45 a.m.

Key Note address 10.00 a.m.

Tea Break 10.40 a.m. to 11.00 a.m.

TECHNICAL SESSION

Presentation by Resource Persons 11.00 a.m.

Presentation of papers by Delegates 12.30 noon

Lunch Break 1.30 p.m. to 2.30 p.m.

CONCLUDING SESSION

Presentation by Resource Persons 2.30 p.m.

Presentation of papers by Delegates 3.15 p.m.

Valedictory Function 4.15 p.m.

Vote of Thanks 4.45 p.m.

Tea 5.00 p.m.

SUB THEMES

- 1) Cybercrime is dangerous for society
- 2) Cybercrime and its types
- 3) Spread of cybercrime due to misuse of technical knowledge
- 4) Various types of cybercrime prevention Measure
- 5) Legal remedies for cybercrime
- 6) Cyber security in India
- 7) Status of women in cybercrime
- 8) Cybercrime and government statistics
- 9) Unemployment and cybercrime
- 10) Human ambition and cybercrime
- 11) Cybercrime and social media
- 12) Cybercrime and Cyber security
- 13) Detailed light on cybercrime
- 14) Growing Challenge in Digital India:-cybercrime
- 15) Cybercrime and cyber security
- 16) Rethinking India's Cyber Security
- 17) Need and Importance of Cyber Security
- 18) Rationale for Cyber Awareness Day
- 19) History of cybercrime
- 20) Contribution of psychology in the prevention of cybercrime
- 21) Role of teachers in the prevention of cybercrime
- 22) Government's plans for the prevention of cybercrime

In addition to the above-mentioned subjects, the participant can choose other sub-subjects keeping the main subject as the focus.

REGISTRATION FEE

Faculty:	Rs. 400/-
Research Scholars:	Rs. 200/-
Account Holder Name:	Principal Vaish College, Bhiwani
Bank Name:	Indian Overseas Bank, Clock Tower, Bhiwani
Bank Account No.:	032501000016079
IFSC CODE:	IOBA0000325
Payment Mode:	UPI/RTGS/NEFT.

Click on the below link for Registration:

[Click Button](#)

infrastructural facilities, with new and renovated library laboratories, buildings, inclusion of new job-oriented courses, tapping the outstanding teaching expertise and techniques parallel to the foreign institutions. The college is well on its way to beoming one of the frontline colleges of India.

ABOUT THE SEMINAR

Crime is a term that is used to refer to the commission of a wrongful act or criminal incident. When it comes to cybercrime, can be defined as a crime committed by the Internet. Cybercrime, cybercriminals Cybercrime is a criminal act that is committed by using computer equipment or any other smart devices through the Internet. Hackers or criminals have different motives to commit this crime. They can do this to harm an individual, an organization or even the government. Cybercrime is a criminal activity in which fraud is done through a computer, network device or network. Cybercriminals take away from privacy to money through this. The purpose of the seminar is to stop all the crimes like data hacking, phishing mail, OTP fraud and mobile fraud, and extortion, which cyber criminals commit, in cybercrime by running public awareness campaigns. The continuous increase has to be stopped. Many times people unknowingly commit a cyber crime or become a victim of it. Awareness is the biggest weapon to prevent cybercrime. In the seminar, various measures to prevent cybercrime will be discussed in detail. Ex: We all should be careful in the use of mobile. Do not share any of your personal information like Aadhar card, PAN card, bank passbook etc. in the use of social sites. The tradition of updating status on social sites is very wrong. Try to avoid it. Many times over the phone, information is given by thugs to win offers and big money, in which people often share their personal information by getting caught in greed. Due to this, the thugs clean their hands on the money deposited in your accounts. It is impossible to get this money back. Women's helpline 1090 is being run by

the government for the safety of the girl child. You can register any complaint by calling on this. In this, the identity is kept secret. Thugs can be avoided only by the awareness of all the people. OTP or necessary document information is never asked for by the bank. So do not trust any call. If there is any problem then contact the bank branch directly for the same.

Different types of cyber security will be highlighted in the seminar.

Network Security – Protects the network from being attacked by malware and therefore always use a secure network.

Cloud Security – Cloud resources provide tools to protect data.

Information Security – Helps to protect data from unauthorized or illegal access.

End-user security – The user should be alert while inserting any external device into the system, and opening any mail or link.

Application Security – Helps to keep the system and software free from any threats.

Conclusion

Cybercrime is spreading its feet day by day. The best way to stay safe from falling prey to its ill effects is to follow safety measures. There are many ways by which we can protect our confidential information from leaking. However, we should always focus on awareness, because 'prevention is better than cure, especially when treatment is not available.

Be yourself and be smart and proactive to protect your identity and important information from theft.

With the knowledge of vigilance and technical resources, we can contribute to the prevention of cybercrime. The cyber awareness campaign is a commendable step taken by the government in the direction of stopping cybercrime. Make it a success by taking a pledge to prevent it.

INVITATION

It gives me immense pleasure to inform your good self that Internal Quality Assurance Cell & National Service Scheme Unit -I of Vaish College Bhiwani is going to organise a Directorate Higher Education, Haryana Sponsored one day Multidisciplinary National Seminar on the topic "Powerful Weapon to Prevent Cyber Crime: Public Awareness" on 05.03.2023 at college campus.

ABOUT THE CITY

BHIWANI is a historic city, founded in the year 1433 in the name of a lady "Bhani". The city is also known as "the MINI VARANASI" (CHHOTI KASHI) of Haryana. The city is situated in the southern part of the Haryana state and is known as one of the oldest cities in the state. It is in the South about 125 kms. from Delhi; in the West 280 kms. from Jaipur and in the North 288 kms. from Chandigarh. It is well connected by rail and road. Bhiwani, is a district headquarters. As per the 2010 census, the district is home to over 1.6 million people with 864616 males and 764493 females and it covers an area of 5099 sq. kms. The weather in general is very pleasant.

BHIWANI has always valued education and has a long history of visiting scholars from various walks of life. The city and its adjoining area have more than 50 academic institutions imparting education in social sciences, physical sciences, life sciences, applied sciences and technical sciences up to the PG level. It has one Technological Institute of Textile and Sciences of international repute that has attracted students in huge numbers from abroad and all over India. At present, the city is growing as a hub of modern education, industries, trades and health services. It has produced many prominent personalities in the fields of politics, administration, defence, police, banking, insurance, medical services and sports. Like other cities of the world, Bhiwani has also become a 'netcity' progressing towards a multicultural

cosmopolitan city, where the best of traditional and modern worlds can be seen. The city is a safe, pollution-free and peaceful place. It can boast of its Kirori Mal temple, Khakhi Baba temple, Baba Hari-Har temple, Star temple and Devsar Dham in its vicinity.

ABOUT THE COLLEGE

Vaish College Bhiwani is one of the oldest and premier institutions of Haryana and it is situated in the heart of the city. The college was founded in the year 1944 by the munificent and visionary philanthropists, of that time for the educational upliftment of society. This college is a multifaceted co-educational institution, affiliated to Ch. Bansi Lal University, Bhiwani. It offers diverse courses in arts, science and commerce at UG level, alongwith certain UG and PG professional courses such as BBA, BCA, M.A. (Hindi, History), M.Sc. (Maths, Chemistry, Physics), M.Sc. (Comp. Sci.), M.Com. etc. It has excellent infrastructural and instructional facilities. Experienced and well-qualified faculty imparts quality and meaningful education to the students by blending the modern technological tools of the 'Western world' with the rich traditional values and cultural ethos. The academic staff of the college has significant knowledge about paradigm-shift in the educational system. Hence, they strive to develop in students the knowledge, confidence and requisite skills for various specific jobs. Over the years the college has flourished with glorious traditions achieving excellence in education.

The college boasts a wonderful overall environment that fosters inter-cultural understanding and promotes respect and tolerance among students. The college has remarkable achievements in academics, research, sports, cultural and extra curricular activities. In the field of sports the college has shown domination at the national and international, university and inter-university levels. Future plans for the institution include the development of additional excellent



MULTIDISCIPLINARY INTERNATIONAL SEMINAR



on

28th March, 2023

Sponsored by :

**DIRECTORATE HIGHER
EDUCATION HARYANA,
PANCHKULA**

**Evaluation of Cleanliness, Health, Litera
& Self- Reliance at International Level**

**अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता, स्वस्थता, साक्षर
एवं आत्मनिर्भरता का मूल्यांकन**

Organised by :

**National Service Scheme Unit-I
Vaish College, Bhiwani**

www.vaishcollegebhiwani.ac.in

Patron-in-Chief :

Sh. Ajay Gupta, President

Sh. Suresh Gupta, General Secretary

Patron :

Dr. Sanjay Goyal

Principal

Convener :

Dr. Kamna Kaushik

Associate Prof. of Hindi
9896796006

Organizing Secretary :

Dr Narender Sing

Associate Prof. of Econo
9813326900

INVITATION

It gives me immense pleasure to inform your good self that National Service Scheme Unit –I of Vaish College Bhiwani is going to organise a Directorate Higher Education, Haryana Sponsored one day Multidisciplinary International Seminar on the topic **"Evaluation of Cleanliness, Health, Literacy & Self-Reliance at International Level"** on 28-3-2023 at College Campus.

ABOUT THE CITY

BHIWANI is a historic city, founded in the year 1433 in the name of a lady "Bhani". The city is also known as "the MINI VARANASI" (CHHOTI KASHI) of Haryana. The city is situated in the southern part of the Haryana state and is known as one of the oldest cities in the state. It is in the South about 125 kms. from Delhi; in the West 280 kms. from Jaipur and in the North 288 kms. from Chandigarh. It is well connected by rail and road. Bhiwani, is a district headquarters. As per the 2010 census, the district is home to over 1.6 million people with 864616 males and 764493 females and it covers an area of 5099 sq. kms. The weather in general is very pleasant.

BHIWANI has always valued education and has a long history of visiting scholars from various walks of life. The city and its adjoining area have more than 50 academic institutions imparting education in social sciences, physical sciences, life sciences, applied sciences and technical sciences up to the PG level. It has one Technological Institute of Textile and Sciences of international repute that has attracted students in huge numbers from abroad and all over India. At present, the city is growing as a hub of modern education, industries, trades and health services. It has produced many prominent personalities in the fields of politics, administration, defence, police, banking, insurance, medical services and sports. Like other cities of the world, Bhiwani has also become a 'netcity' progressing towards a multicultural

cosmopolitan city, where the best of traditional and modern worlds can be seen. The city is a safe, pollution-free and peaceful place. It can boast of its Kirori Mal temple, Khakhi Baba temple, Baba Hari-Har temple, Star temple and Devsar Dham in its vicinity.

ABOUT THE COLLEGE

Vaish College Bhiwani is one of the best and premier institutions of Haryana and is situated in the heart of the city. The college was founded in the year 1944 by the munificent and visionary philanthropists, of that time, for the educational upliftment of society. The college is a multifaceted co-educational institution, affiliated to Ch. Bansi Lal University, Bhiwani. It offers diverse courses in science and commerce. 2/5 ev co ●●●● certain UG and PG programs. BBA, BCA, M.A. (Hindi, History), M. Chemistry, Physics), M.Sc. (Comp. Sci.), M. etc. It has excellent infrastructural and instructional facilities. Experienced and qualified faculty imparts quality meaningful education to the students, blending the modern technological tools of the 'Western world' with the rich traditional values and cultural ethos. The academic staff of the college has significant knowledge and experience in a paradigm-shift in the educational system. Hence, they strive to develop in students knowledge, confidence and requisite skills for various specific jobs. Over the years the college has flourished with glorious traditions, achieving excellence in education.

The college boasts a wonderful open environment that fosters inter-cultural understanding and promotes respect and tolerance among students. The college has remarkable achievements in academic research, sports, cultural and extra-curricular activities. In the field of sports the college has shown domination at the national and international, university and inter-university levels. Future plans for the institution include the development of additional exce

infrastructural facilities, with new and renovated library laboratories, buildings, inclusion of new job-oriented courses, tapping the outstanding teaching expertise and techniques parallel to the foreign institutions. The college is well on its way to becoming one of the frontline colleges of India.

ABOUT THE SEMINAR

"The only Dream of the people Make the Country Clean-Healthy-Literate-Self-Reliant"

Human is the most beautiful creation of God. The attainment of ultimate happiness in human life is possible only when we discharge human dharma by being aware and conscious of the invaluable capital of cleanliness-health-literacy and self-reliance. Mahatma Gandhi called 'Cleanliness'. It is considered more important than freedom. Gandhi Ji had envisaged three dimensions of cleanliness: - Clean mind, a clean body and a clean environment. He considered cleanliness as worship. This seminar will throw light on the depth of Gandhi's vision. The purpose of the seminar is also to make us all aware of the fact that making the polluted attitude and the polluted environment clean is the first quality of excellence and culture. An attempt will also be made in the seminar to throw light on the fact that there is a relationship between external cleanliness and internal cleanliness. From health. The day of April 7 is celebrated as World Health Day. Its purpose is to create awareness about health among people. Due to the industrial revolution, there is a continuous change in lifestyle. Present full of material comforts. Because of lifestyle, humans come A is becoming prone to diseases. For a healthy life, we have to make changes in our lifestyle. The purpose of the seminar is to illustrate the importance of a nutritious diet and exercise. With a nutritious diet and exercise, we become physically, mentally and socially strong - Will be healthy

The role of literacy is very important: realizing the dream of cleanliness and health. Awareness of the people is the main means for eradicating illiteracy. 8 September is celebrated as World Literacy Day. Even in most countries are far from the target of achieving complete literacy. There are still 1 billion people illiterate in the world. About 50 per cent of the world's population is illiterate. To motivate the people to literacy. Literacy enriches human life and provides opportunities for humans to develop skills, which help in making them self-reliant. He can become self-reliant with his skill. A step towards self-reliance from illiteracy development will be exemplary for the world. Every person should become so capable, enlightened and skilled that he can contribute to his development as well as international development.

5 May is celebrated as World Sanitation Day, 7 April as World Health Day, 8 September as World Literacy Day and 21 August as Entrepreneurship Day. How successful are these days on the real ground? The purpose of the symposium is to throw light on the interrelationship by evaluating cleanliness, health, literacy and self-reliance on an international stage. To take strong-meaningful steps towards human development by the solution of the current challenges through reflection and deliberation on the international stage. The main goal of the seminar, guidance of the current challenge. 3/5 ve zin. of a 'clean, healthy, literate and self-reliant' human. Must be eternal.

The summary is that
"Cleanliness is Health.
Literacy is the stepping stone to Cleanliness and Health.
Self-Reliance comes from the Triveni of Cleanliness, Health and Literacy.
With the fulfilment of the resolution of the goals, the creation is heaven."

- 1) Contribution of Agriculture to Self-Reliance
- 2) Clean Society-Healthy Society
- 3) Contribution of language to literacy
- 4) Effect of resources of transport and communication on Cleanliness
- 5) Literacy: Challenges and Opportunities
- 6) Environmental Protection and Cleanliness
- 7) Role of science and technology in Self-Reliance
- 8) Need for change in lifestyle in the present scenario
- 9) Importance of oceans and coasts in the economy
- 10) Diverse areas of Self-Reliance
- 11) Contribution of literacy in Women Empowerment
- 12) Factors Affecting Literacy
- 13) Importance of a balanced diet in Human life
- 14) Role of crop improvement and nutrition by biotechnology
- 15) Methods to control water, air, and land pollution
- 16) Impact of Nanotechnology on Human life
- 17) The Impact of Literacy on Crime Reduction
- 18) The Importance of Literacy in Achieving Gender Equality
- 19) The Significance of Literacy and Self-Reliance in Achieving Cultural Development
- 20) The Significance of Literacy and Self-Reliance in Achieving Economic Growth
- 21) The Significance of Cleanliness and Health in Achieving Economic Growth
- 22) The Significance of Cleanliness and Health in Achieving Political Empowerment
- 23) The Importance of Cleanliness and Health in Achieving Gender Equality
- 24) Cleanliness and Health: A Study of their Interconnectedness in the 21st Century
- 25) Role of library in learning

In addition to the above-mentioned subjects, the participant can choose other sub-sub keeping the main subject as the focus.

REGISTRATION FEE

4/5



Faculty:	Rs. 500/-
Research Scholars:	Rs. 300/-
Account Holder Name:	Principal Vaish College, Bhiwani
Bank Name:	Indian Overseas Bank, Clock Tower, Bhiwani
Bank Account No.:	032501000016079
IFSC CODE:	IOBA0000325
Payment Mode:	UPI/RTGS/NEFT.

Click on the below link for Registration:

[Click Button](#)

CALL FOR CHAPTERS/PAPERS BASED ON GIVEN THEME IN EDITED BOOK WITH ISBN NO.

Title Page:	Title, Author(s) Details (Name, Designation, Institution, Contact No., E-mail-ID)
Format:	A4 Size, Ms Word,
Font:	Times New Roman or Kruti Dev 010
Font Size:	12, Line Spacing: 1.5
Word Limit for Abstract	200 to 250 words
Word Limit for Chapter/ Full paper:	2000 to 3000 words.
Chapter/Paper Contents:	Abstract, Keywords, Introduction, Con & References.

Selected Chapter/ Full papers will be published in Edited book published by International Publisher. Plagiarism should be less than 10%.

IMPORTANT DATES

Last date for Online Registration : 25 March 2023

Last date for Offline Registration : 28 March 2023

Last date for submission of full paper/Abstract : 28 March 2023

Full Paper at E-mail ID : internationalselfreliance@gmail.com

Early submission are greatly appreciated

PROGRAMME

Registration of delegates 9.00 a.m.

INAUGURAL SESSION

Welcome to the Chief Guest, Resource Persons and Delegates 9.30 a.m.

Relevance and objective of the seminar by Organising Secretary 9.45 a.m.

Key Note address 10.00 a.m.

Tea Break 10.40 a.m. to 11.00 a.m.

TECHNICAL SESSION

Presentation by Resource Persons 11.00 a.m.

Presentation of papers by Delegates 12.30 noon

Lunch Break 1.30 p.m. to 2.30 p.m.

CONCLUDING SESSION

Presentation by Resource Persons 2.30 p.m.

Presentation of papers by Delegates 3.15 p.m.

Valedictory Function 4.15 p.m.

Vote of Thanks 4.45 p.m.

Tea 5.00 p.m.